

149

संख्या:- 2166 / VI(1) / 2015-03(01) / 2015

प्रेषक,

शैलेश बगौली

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

पर्यटन निदेशालय,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

पर्यटन अनुभाग

देहरादून दिनांक 30 नवम्बर, 2015

विषय:- वित्तीय वर्ष 2015-16 में राज्य सेक्टर के अन्तर्गत पर्यटन विकास की नई योजनाओं पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-293/2-6-471/2015-16, दिनांक 15 अक्टूबर, 2015 तथा पत्र संख्या-295/2-6-984/2015-16, दिनांक 15 अक्टूबर, 2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य सेक्टर की पर्यटन विकास की नई योजनाओं के अन्तर्गत निम्नलिखित 03 योजनाओं के आगणनों का वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-359/XXVII(1)/2015, दिनांक 23 मार्च, 2015 में की गयी व्यवस्थानुसार निर्माण इकाई, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा विभाग के टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत कुल ₹ 63.46 लाख की धनराशि पर वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 में पर्यटन विकास की नई योजना मद में प्राविधानित धनराशि ₹ 100.00 लाख में से अवशेष धनराशि ₹ 35.50 लाख से ₹ 25.50 लाख (₹ पच्चीस लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्र० सं०	योजना का नाम	आर0ई0एस0 के टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत धनराशि	(धनराशि लाख रुपये में) वित्तीय वर्ष 2015-16 में स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	2	3	4
1	बाल गंगा नदी पर स्नानघाट एवं सी0सी0 मार्ग का निर्माण	22.62	10.00
2	विकास खण्ड भिलंगना के बेलेश्वर धाम में यात्री शेड शौचालय एवं स्नानागार का निर्माण	15.00	5.00
3	मा0 मुख्यमंत्री जी घोषणा संख्या-753/2014 "महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल सहस्त्रताल, महासर ताल, क्यार्की बुग्याल, जौहरी बुग्याल, हटकुणी सौड, केमुन्डाखाल, खतलिंग ग्लेशियर एवं पावलीकांठा में पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं का विकास किया जायेगा" के अन्तर्गत भिलंगना के घुत्तु से पवाली कांठा तक ट्रैक रूट का विकास।	25.84	10.00
योग :-		63.46	25.50

- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाय जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए तथा एक मद की धनराशि दूसरे मद में कदापि व्यय न की जाय।
- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाये तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाये।
- विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

CS

- (vi) स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।
- (vii) व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 तथा इसके क्रम में समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
- (viii) आवंटित धनराशि का उपभोग 31 मार्च, 2016 तक कर लिया जाय। अवशेष धनराशि समयान्तर्गत शासन को समर्पित कर दी जाय।
- (ix) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत की जा रही है। मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं होगा। बजट योजनावार आवंटन उसके विपरीत मासिक योजनावार व्यय का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- (x) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (xi) कार्य के प्रति पूर्ण भुगतान करने से पूर्व किसी तृतीय पक्ष से इसकी गुणवत्ता की चेकिंग का कार्य उक्त अनुमोदित लागत से कराये जाने के बाद कार्य अनुमोदित आगणन के अनुसार होने की पुष्टि पर ही भुगतान किया जायेगा। यह दायित्व निदेशक पर्यटन का होगा। अतः निदेशक पर्यटन Third party Monitoring की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें।
- (xii) कार्यदायी संस्था के निर्धारण में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

2- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 के लेखाशीर्षक 5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-संवर्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-49-पर्यटन विकास की नई योजनाएं-24-वृहत् निर्माण कार्य मानक मद के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-779/XXVII(2)/2015, दिनांक 9 नवम्बर, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

4- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत अलोटमेंट आईडी-S.15.11.260249 द्वारा निर्गत किया जा रहा है।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(शैलेश बगौली)  
सचिव।

संख्या-2166 /VI(1)/2015-03(01)/2015, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल मण्डल।
- 4- जिलाधिकारी, टिहरी।
- 5- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- क्षेत्रीय एवं जिला पर्यटक अधिकारी, टिहरी।
- 7- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(गरिमा राँकली)  
संयुक्त सचिव।